रायबरेली में ऑक्सीजन प्लांट लगाने की तैयारी

लखनऊ | विशेष संवाददाता

कोरोना की संभावित तीसरी लहर से निपटने के लिए यूपी ऑक्सीजन के मामले में आत्मनिर्भर बनने की तैयारी में है। इसलिए राज्य के सभी हिस्सों में निजी क्षेत्र को ऑक्सीजन प्लांट लगाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। इस क्रम में मध्य यूपी के रायबरेली में लिक्विड मेडिकल ऑक्सीजन प्लांट दिसंबर से रोजाना 200 टन उत्पादन शुरू कर देगा।

वैसे तो कोरोना संक्रमण के मामले लगातार घटते जा रहे हैं और मेडिकल जरूरतों के लिए ऑक्सीजन की मांग भी लगातार घट रही है। फिर भी प्रदेश सरकार की रणनीति ऑक्सीजन के मामले में पूरी तरह आत्मनिर्भर बनने की है। इस मामले में उत्तर प्रदेश औद्योगिक विकास प्राधिकरण यूपीसीडा निजी निवेशकों को जमीन आवंटित कर रहा है ताकि यह काम बिना बाधा के जल्द शुरू हो जाए।

रायबरेली प्लांट में निर्माण अगले महीने सेः आइनॉक्स एयर प्रोडेक्ट कंपनी ने रायबरेली में अपने प्लांट से उत्पादित ऑक्सीजन अस्पतालों को देगी। इससे पूर्वांचल व बुंदेलखंड के जिलों के अस्पतालों को फायदा होगा। यहां बनने वाली नाइट्रोजन लालगंज रेलवे कोच फैक्ट्री को सप्लाई होगी। बहुत कम समय में पांच एकड़ जमीन पर अपना प्रोजेक्ट लगाना शुरू कर दिया है। दिसंबर से उत्पादन शुरू हो जाएगा। यूपीसीडा के क्षेत्रीय प्रबंधक मंसूर कटियार का कहना है कि मात्र सात दिन में कंपनी को जमीन आवंटित की गई। रायबरेली के बाद अब कंपनी गोरखपुर में प्लांट लगाएगी। हमीरपुर बुंदेलखंड में इस तरह की परियोजना अगले साल लगाने की योजना बन रही है।

आत्मनिर्भरता की ओर

- दिसम्बर से रोजाना 200 टन ऑक्सीजन का उत्पादन होगा
- गोरखपुर और हमीरपुर में भी लगाया जाएगा प्लांट

प्रशासन की निगरानी में ऑक्सीजन प्लांट लगवाएं

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने निर्देश दिए हैं कि प्रदेश में ऑक्सीजन प्लांट लगाने के काम पर जिला प्रशासन लगातार निगरानी करे। कच्चे माल व सिविल वर्क समय से पूरा करवाए। प्रदेश हर हाल में ऑक्सीजन उत्पादन के पैमाने पर आत्मनिर्भर होगा। सीएम ने उन्होंने कहा कि अब तक विभिन्न जिलों में 415 से अधिक ऑक्सीजन प्लांट स्वीकृत किये गए हैं। इनमें 61 प्लांट क्रियाशील भी हो चुके हैं।